CHETANA
International Journal of Education (CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)
Impact Factor
SJIF 2026-8.584

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

भारत सरकार द्वारा संचालित सुकन्या समृद्धि योजना का जयपुर जिले की बालिकाओं पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना

प्रियंका गुप्ता
बी.एड. एम.एड. छात्रा
डॉ. शिप्रा गुप्ता
प्राचार्य
बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर
Email : pk266052@gmail.com, Mobile- 9352713103

First draft received: 18.04.2026, Reviewed: 22.04.2026
Final proof received: 15.05.2026, Accepted: 23.06.2026

सार-संक्षेप

भारत पुरुष प्रधान देश है यहां समाज के हर क्षेत्र में पुरुषों का बोलचाल वाला है चाहे वह शिक्षा हो या घर के बाहर जाकर कार्य करने की स्वतंत्रता हो इनहें सभी क्षेत्रों में पुरुषों को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि इन्हीं सभी कार्य बिना रोक-टोक करने की स्वतंत्रता होती है चाहे वह किसी भी क्षेत्र का कार्य हो जबकि महिलाएं हर क्षेत्र में रोक टोक का सामना करना पड़ता है सामाज में महिला व पुरुषों के बीच अभी भी भेदभाव देखने को मिलता है पुरुषों को अधिक अवसर दिए जाते हैं जबकि महिलाओं को सीमित अवसर प्रदान किए जाते हैं महिलाएं आर्थिक रूप से पुरुषों पर निर्भर रहती है जिससे अपने आर्थिक निर्णय स्वतंत्ररूप से नहीं ले पाती कई समाज में कुछ परंपराएं महिलाओं को घर तक सीमित रहने की सोच को बढ़ावा देती है जिससे वह बाहर जाकर सामाजिक व व्यवसायिक कार्य नहीं कर पाती है जिससे महिलाओं का विकास बाधित होता हैं इन समस्याओं को देखते हुए भारत व राज्य सरकारों में समय-समय पर कई योजनाएं बनाई है जिससे महिलाओं का समाज में विकास हो पुरुष प्रधान समाज में स्वाभिमान के साथ रह सके समाज व परिवार को आगे बढ़ा सके भारत व राज्य सरकार ने बालिकाओं की सशक्तिकरण के लिए समय-समय पर अनेक योजनाएं प्रारंभ की गई यदि बालिकाओं को उचित शिक्षा सुरक्षा तथा आर्थिक अवसर प्रदान किए जाएं तो वह समाज परिवार और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है एक बालिका अगर शिक्षित होती है तो पूरे परिवार को शिक्षित करती है एक परिवार से पूरा समाज शिक्षित होता है इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने अनेक योजनाएं बनाई है, यथा -बालिका समृद्धि योजना 1997, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय 2004, CBSC उड़ान स्कीम 2014, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ 2015, सुकन्या समृद्धि योजना 2015

उपरोक्त योजना द्वारा भारत सरकार ने बालिकाओं की स्वास्थ्य शिक्षा आर्थिक स्थिति सामाजिक स्थिति मानसिक स्थिति को सुधारने के प्रयास किए गए जिस महिला सशक्तिकरण को मजबूत किया जा सके

मुख्य शब्दः *सुकन्या समृद्धि योजना, बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक परिवर्तन, अभिभावक जागरूकता, जयपुर जिला, लैंगिक समानता.*

प्रस्तावना

भारत की विकास यात्रा इसकी महिला सशक्तिकरण के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है केंद्र सरकार ने पिछले 9 वर्षों में नारी शक्ति को अपने कार्य सूची में सबसे आगे रखा है सरकार समझती है कि महिला सशक्तिकरण एक बार का समाधान नहीं है इसके लिए व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो उनके पूरे जीवन काल की जरूरत को पूरा करें महिला सशक्तिकरण आदर्श रूप से रणनीतिक निर्णय लेने और अपने जीवन पर अधिकार और नियंत्रण प्राप्त करने की क्षमता का निर्माण करता है यह अवसर महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमताओं में आत्मविश्वास और सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देता है 2020 कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता का वादा करती है और स्पष्ट रूप से लड़कियों की शिक्षा पर जोर देती है सुकन्या समृद्धि योजना जो बालिका के लिए एक विशेष डाकघर या बैंक खाते में बचत करने के लिए जो प्रोत्साहन करती है विकसित भारत 2047 के तहत महिला विकास में महिला नेतृत्व की ओर बदलाव लैंगिक समानता के लिए एक महत्वपूर्ण अधिक समावेशी और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है इन वर्षों में विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदलने वाली महिलाओं व बालिकाओं की कहानी में व्यापक बदलाव की लहरों को दर्शाती है देश भर में लड़कियां शिक्षा को अपना रही है और हर कार्य में शामिल हो रही है भारत व राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं में बदलाव की शुरुआत की है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना 2015 और शिक्षा के अधिकार की गारंटी के विस्तार ने लड़कियों के लिए स्कूली शिक्षा को सामान्य बनाने में मदद की है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के कारण अधिक लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है और कई क्षेत्रों में लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात लड़कों के बराबर या उससे भी अधिक हो गया है भारत सरकार द्वारा संचालित सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं की उज्जवल भविष्य को सुरक्षित बनाने हेतु शुरुआत की गई है यह एक महत्वपूर्ण बचत योजना है वर्तमान समय में बालिकाओं के विकास को राष्ट्र निर्माण का आधार माना जाता है इसलिए ऐसी योजनाओं का महत्व और बढ़ जाता है जयपुर जिला राजस्थान का एक विकसित जिला है जहां ग्रामीण व बैंक शहरी दोनों क्षेत्रों के परिवार निवास करते हैं जहां शिक्षा जागरूकता एवं आर्थिक स्थिति के आधार पर विभिन्न वर्ग में पाए जाते हैं सुकन्या समृद्धि योजना का जयपुर जिले की बालिकाओं की स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है

समस्या का औचित्य

सुकन्या समृद्धि योजना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के लिए उत्कृष्ट बचत योजना है जिनका उद्देश्य बालिकाओं की भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाना है उनके लिए उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन करना तथा समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना इस योजना के माध्यम से अभिभावकों को बालिकाओं के नाम से बचत करने के लिए प्रेरित किया जाता है जिससे भविष्य में उनकी शिक्षा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके सरकार की अनेक कोशिशें के बावजूद किसी भी योजना को 100% धरातल पर नहीं उतारा जा सकता है इसके अंतर्गत अनेक चुनौतियों का सामना करना

पड़ता है कई बार देखा गया है की योजना कागजों पर तो सफल दिखाई देती है परंतु वास्तविक जीवन में उनके प्रति जागरूकता एवं जन सहभागिता का स्तर अनुकूल नहीं होता है विशेष रूप से ग्रामीण व अर्ध शहरी क्षेत्रों में अभिभावकों की योजना की पूर्ण जानकारी नहीं होती जिसके कारण वह योजना का लाभ नहीं उठा पाते जयपुर जिले के अंतर्गत यह जानना महत्वपूर्ण है कि अभिभावक इस योजना के उद्देश्यों को समझते हैं क्या वे बालिकाओं की शिक्षा एवं भविष्य के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं यह विश्लेषण किया जाए कि इस योजना का बालिकाओं की शैक्षणिक आर्थिक सामाजिक का मनोवैज्ञानिक स्थिति पर वास्तविक प्रभाव क्या पड़ा है

संबंधित साहित्य

1.राजकुमार गुप्ता (2023) :- "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का योजना महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण पर प्रभाव"

उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना का विश्लेषण एक अवलोकन पर अध्ययन किया है इसका उद्देश्य की अवधारणा और इसके लाभों का अध्ययन करना है इस योजना का उद्देश्य भारतीय लड़कियों को एक उज्जवल भविष्य देना है इस का उद्देश्य उन्हें अच्छी शिक्षा और तनाव मुक्त विवाह लागत प्राप्त करने में मदद करता है

निष्कर्ष :-आपके में होता है एस एस वाई उन माता-पिता या कानूनी अभिभावकों के लिए एक बेहतरीन बचत योजना है जो बालिकाओं का भविष्य सुरक्षित करना चाहते हैं यह योजना में आकर्षक ब्याज दरें है भारत में सुकन्या समृद्धि योजना की भविष्य की संभावनाए सकारात्मक है अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचत करने की इच्छुक माता-पिता को सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सुकन्या योजना में निवेश करने पर विचार करना चाहिए

2.नरेन आसिफ पी. एस. एथल एवं नियाज पंकाजे (2023):- "सुकन्या समृद्धि योजना का विश्लेषण एवं बालिकाओं की भविष्य में इसकी उपयोगिता"

प्रस्तुत अध्ययन उद्देश्य भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अन्य लघु बचत योजना के साथ महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र की तुलना विषय पर अध्ययन करने पर यह लागू किए गए विभिन्न कदमों के बावजूद उन्हें अभी भी भारत के वर्गीकृत और अपेक्षित किया जाता है जो महिलाओं को उनकी वित्तीय सीमाओं को दूर करने वाली विभिन्न योजनाएं उनके निर्णय लेने की क्षमताओं में मदद कर सकती है और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और हिंसा की जोखिम को कम कर सकती है

निष्कर्ष: इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने में सहायक है। यह योजना शिक्षा, विवाह और आर्थिक सुरक्षा के लिए उपयोगी है। उच्च ब्याज दर और सरकारी सुरक्षा के कारण यह अभिभावकों के लिए एक विश्वसनीय बचत योजना सिद्ध होती है।

3.ज्योति रानी डॉक्टर मोनिका मलिक 2024:- "महिलाओं की सशक्तिकरण में विभिन्न लघु बचत योजनाओं की भूमिका"

उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना की समस्याओं का विश्लेषण निवेशकों का दृष्टिकोण का अध्ययन किया अध्ययन का उद्देश्य सुकन्या समृद्धि खाता योजना के जनसंख्या की चर और निवेश समस्याओं के बीच संबंधों का अध्ययन करना था

निष्कर्ष:- उपरोक्त अध्ययन से पता चलता है कि न्यूनतम जमा राशि बहुत कम है जो गरीब लोगों के लिए भी वहनिय है लेकिन इसकी लॉक इन अवधि भी बहुत लंबी है और धन की आवश्यकता होने पर समय से पहले निकासी के अनुमति नहीं है और पी.ए.फ की तरह इस योजना में ऋण सुविधा उपलब्ध नहीं है

उपरोक्त अध्ययन से पता चलता है कि न्यूनतम जमा राशि बहुत कम है जो गरीब लोगों के लिए भी वह नहीं है लेकिन इसकी लॉक इन अवधि भी बहुत लंबी है और धन की आवश्यकता होने पर समय से पहले निकासी के अनुमति नहीं है और पीएफ की तरह इस योजना में ऋण सुविधा उपलब्ध नहीं हैउपरोक्त अध्ययन से पता चलता है कि न्यूनतम जमा राशि बहुत कम है जो गरीब लोगों के लिए भी वह नहीं है लेकिन इसकी लॉक इन अवधि भी बहुत लंबी है और धन की आवश्यकता होने पर समय से पहले निकासी के अनुमति नहीं है और पीएफ की तरह इस योजना में ऋण सुविधा उपलब्ध नहीं है

इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने में सहायक है। यह योजना शिक्षा, विवाह और आर्थिक सुरक्षा के लिए उपयोगी है। उच्च ब्याज दर और सरकारी सुरक्षा के कारण यह अभिभावकों के लिए एक विश्वसनीय बचत योजना सिद्ध होती है।

4. डॉ राजेश कुमार 2025:- "सुकन्या समृद्धि योजना से संबंधित समस्याओं एवं निवेशकों के दृष्टिकोण का अध्ययन"

इन्होंने भारत में महिला सशक्तिकरण योजनाओं का अध्ययन किया इसके अध्ययन उजागर करना विशेष रूप से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना उपयुक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आदि उत्तर भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट और संदर्भ में उद्धैट अन्य वेबसाइटों से लिया गया है

निष्कर्ष:- कोई भी देश जब तक प्रगति नहीं कर सकता जब तक उसकी महिलाएं विकास में आगे ना आए महिलाओं को एक सुरक्षित और सहायक कार्यस्थल के माध्यम से पूरी तरह सशक्त बनाया जाना चाहिए.

5.डॉ बी अंग मुधु 2026:- "भारत में महिला सशक्तिकरण योजनाओं का विश्लेषण इन्होंने चयनित बैंकों से सुकन्या समृद्धि खाता योजना से के प्रति ग्राहकों की धारणा पर अध्ययन किया"

जिनमें अध्ययन के उद्देश्य ग्राहकों के विभिन्न जनसंख्या कारको के बीच से एस.एस.वाई में जमा व्यवहार के संबंध का विश्लेषण करना चयनित पहलुओं के प्रति उत्तरदाताओं के संतुष्टि के स्तर का पता लगाना विभिन्न जन सांख्यिकी कारकों के बीच उत्तरदाताओं की सस वा इ में जमा करने की इच्छा का विश्लेषण करना था

निष्कर्ष:- इस अध्ययन से पता चलता है क उत्तरदाताओं ने से ए के तहत जमा नहीं किया था यह तथ्य हो सकता है की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में सोई योजना के माध्यम से बालिका के समावेशी विकास के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत करता है इस योजना से जुड़े लाभों के बारे में विद्यालय में कॉलेज में सेमिनारों का आयोजन करना

साहित्य विवेचना

प्रस्तुत शोध में_ "सुकन्या समृद्धि योजना का जयपुर जिले की बालिकाओं पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।" इससे संबंधित अध्ययन निम्न है **राजकुमार गुप्ता (2023), नरेन आसिफ पी. एस. एथल एवं नियाज पंकाजे (2023), ज्योति रानी डॉक्टर मोनिका मलिक 2024, डॉ राजेश कुमार 2025, डॉ बी अंग मुधु 2026** अतः उपरोक्त शोध दिनोंअध्ययनो में सुकन्या समृद्धि योजना पर अनेक शोध अध्ययन किए गए जिसमें बालिकाओं की बचत और शिक्षा में सुधार दिखा, लेकिन क्षेत्रीय सीमाओं और दीर्घकालिक डेटा की कमी जैसी सीमाएं थीं। मेरे शोध में, जयपुर जिले की बालिकाओं पर केंद्रित होकर, मैंने विस्तृत आंकड़ों और दीर्घकालिक बदलावों का विश्लेषण किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि योजना ने शिक्षा, बचत और परिवारों के दृष्टिकोण में स्थिर सुधार लाया है।

शोध संबंधी कमियां

समीक्षा में दो प्रमुख कमियां पाई गईं, जिन्हें वर्तमान अध्ययन संबोधित करता है:

(i) योजना के बारे में जमीनी स्तर पर जागरूकता का आकलन करने वाले प्राथमिक शोध की कमी;

(ii) जिला स्तर पर योजना जागरूकता को विकसित भारत 2047 की परिकल्पना से जोड़ने वाला कोई अध्ययन नहीं।

समस्या का कथन

"सुकन्या समृद्धि योजना का जयपुर जिले की बालिकाओं पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।"

शोध के प्रश्न

1. क्या अभिभावकों में बालिकाओं के भविष्य को लेकर सकारात्मक सोच बढ़ रही है?
2. क्या सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करना आर्थिक रूप से लाभदायक है?

3. क्या सुकन्या समृद्धि योजना का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव महिला सशक्तिकरण है?
4. क्या अभिभावक इस योजना के लिए खाता खुलवाने की प्रक्रिया को जानते हैं?
5. क्या अभिभावक सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खाता खुलवाने की प्रक्रिया से परिचित हैं?

अध्ययन के उद्देश्य

1. जयपुर जिले में सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति अभिभावकों की जागरूकता का अध्ययन करना
2. सुकन्या समृद्धि योजना का जयपुर जिले की बालिकाओं की सामाजिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करना
3. सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बालिकाओं की आर्थिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करना
4. सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययनकरना
5. सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बालिकाओं के मनोवैज्ञानिक स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव काअध्ययन करना

अनुसंधान पद्धति

शोध संरचना

अनुसंधान में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है

न्यादर्श

इस अध्ययन में शामिल जनसंख्या में राजस्थान के जयपुर जिले की 10 वर्ष तक की बालिकाएं 200 है 100 बालिकाएं झोटवाड़ा क्षेत्र की और 100 बालिकाएं बनी पार्क क्षेत्र की ली गई है

उत्तरदाताओं के चयन के लिए निम्नलिखित मानदंडों का उपयोग किया गया:

1. 10 वर्ष तक की बालिकाएं

2. जयपुर जिले की बालिकाएं

3. स्वेच्छा से भाग लेने के इच्छुक

4. प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने में सक्षम

शोधकर्ता ने चयनित क्षेत्रों में उत्तरदाताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया और डेटा संग्रह से पहले अध्ययन का उद्देश्य समझाया।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य की पूर्ति हेतु शोधकर्ता द्वारा प्रदतों के संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया है प्रश्नावली में 35 प्रश्नों का चयन किया गया प्रशिक्षण का अंकन सही उत्तर चयन करने पर एक अंक तथा उत्तर नहीं देने पर जीरो अंक दिए गए है

1. बालिका के अभिभावकों में योजना के प्रति जागरूकता
2. योजना से बालिका की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव
3. बालिकाओं के उच्च शिक्षा ग्रहण करने का स्तर
4. बालिकाके सामाजिक स्तर पर प्रभाव
5. बालिकाओं के प्रति मनोवैज्ञानिक स्तर पर प्रभाव

क्रम	संख्या आयाम	प्रश्नों की संख्या
1	जागरूकता स्तर	Q1-Q3, Q18, Q19, Q25, Q26
2	शैक्षणिक स्तर	Q14, Q20-Q24, Q27
3	आर्थिक स्तर	Q10-Q13, Q15-Q17
4	सामाजिक स्तर	Q4-Q9, Q35
5	मनोवैज्ञानिकस्तर	Q28-Q34

विस्तृत जानकारी एकत्रित करने के लिए बंद-छोर के प्रश्न शामिल किए गए थे

उपकरण की वैधता

इस प्रश्नावली का सत्यापन शिक्षा क्षेत्र के पाँच विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। उन्होंने उद्देश्यों की प्रासंगिकता, प्रश्नों की स्पष्टता और भाषा की सरलता के आधार पर प्रश्नावली की जाँच की। प्रश्नावली की गुणवत्ता में सुधार के लिए उनके सुझावों के अनुसार आवश्यक संशोधन किए गए।

उपकरण की विश्वसनीयता

इस उपकरण की विश्वसनीयता का परीक्षण टेस्ट-रीटेस्ट विधि (r=0.84) और क्रोनबैक अल्फा (a=0.82) का उपयोग करके किया गया। ये मान दर्शाते हैं कि उपकरण विश्वसनीय और सुसंगत है।

डेटा संग्रहण

शोधकर्ता ने जयपुर जिले के चयनित विद्यालय में व्यक्तिगत रूप से दौरा किया आंकड़े एकत्रित करने से पहले उत्तरदाताओं को अध्ययन का उद्देश्य समझाया उत्तरदाताओं विशेष कर निरीक्षक लोगों के लिए प्रश्न सरल हिंदी में इस पड़कर और समझाएं प्रस्तुत किया और उनके उत्तर शोधकर्ता द्वारा दर्ज किए गए और कुछ ने स्वयं प्रश्नावली भरी अध्ययन के दौरान नैतिक पहलुओं का भी ध्यान रखा गया सभी उत्तरदाता होने से सूचित सहमति प्राप्त की गई और उनके उत्तरों को की गोप्रियता बनाए रखी गई उत्तरदाताओं अध्ययन के लिए आंकड़े दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच एकत्र किए गए

विश्लेषण की तकनीकें

मात्रात्मक विश्लेषण

मात्रात्मक आंकड़ों का विश्लेषण आवृत्ति (प्रतिक्रियाओं की संख्या) और प्रतिशत का उपयोग करके किया गया। बेहतर समझ के लिए आंकड़ों को तालिकाओं और ग्राफ़ के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

प्रदत्त विश्लेषण

निष्कर्ष को वस्तुनिष्ठ रूप से प्रस्तुत किया गया है जिसमें से प्रत्येक स्तरों को एक ग्राफ द्वारा समर्थित किया गया है

शैक्षणिक निहितार्थ- सुकन्या योजना का क्षेत्र शैक्षणिक स्तर व आर्थिक स्तर जागरूकता स्तर का अध्ययन करना

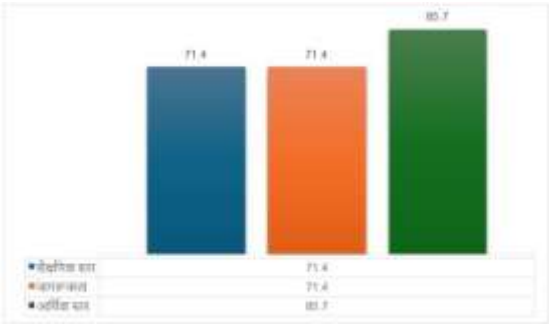

सुकन्या योजना का जागरूकता स्तर सामाजिक स्तर में मनोवैज्ञानिक स्तर का अध्ययन करना

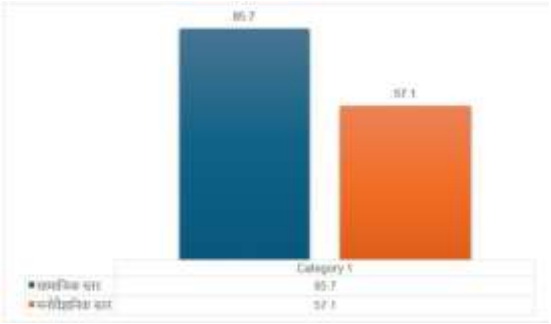

परिणाम

अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि सुकन्या समृद्धि योजना ने बालिकाओं की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अधिकांश अभिभावकों ने इस योजना को बालिकाओं की उच्च शिक्षा एवं विवाह के लिए लाभकारी माना। जयपुर जिले के शहरी क्षेत्रों में योजना के प्रति जागरूकता अधिक पाई गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी का स्तर अपेक्षाकृत कम देखा गया। कई परिवारों ने नियमित बचत की आदत विकसित की, जिससे बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की भावना बढ़ी। अध्ययन में यह भी सामने आया कि इस योजना ने बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा दिया तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में सामाजिक परिवर्तन उत्पन्न किया।

निष्कर्ष

सुकन्या समृद्धि योजना भारत सरकार की एक प्रभावी और दूरदर्शी योजना है, जिसका उद्देश्य बालिकाओं के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाना है। यह योजना केवल बचत योजना नहीं, बल्कि बालिका शिक्षा, सामाजिक सम्मान और महिला सशक्तिकरण का माध्यम भी है। अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि योजना ने अभिभावकों की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाया है तथा बालिकाओं के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी, बैंकिंग सुविधाओं की सीमाएँ और जानकारी का अभाव अभी भी चुनौतियाँ हैं। फिर भी यह योजना बालिकाओं के समग्र विकास में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है।

सुझाव

1. सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए।
2. विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा पंचायत स्तर पर योजना की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
3. बैंक एवं डाकघर कर्मचारियों द्वारा अभिभावकों को खाता खोलने की प्रक्रिया सरल रूप में समझाई जानी चाहिए।
4. योजना से संबंधित दस्तावेजी प्रक्रिया को अधिक सरल और सुविधाजनक बनाया जाना चाहिए।
5. बालिका शिक्षा और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी अन्य योजनाओं के साथ इसका समन्वय किया जाना चाहिए।
6. सरकार द्वारा समय-समय पर योजना की समीक्षा कर आवश्यक सुधार किए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक परिवार इसका लाभ उठा सकें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

i. आर. एस. शर्मा (2005): "शैक्षिक अनुसंधान", मेरठ, कमल बुक डिपो।
ii. सरीन एवं सरीन (2007) "शैक्षिक अनुसंधान एवं विधियाँ", आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।
iii. सिंह रामपाल व शर्मा ओ.पी. (2014): "शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी", विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
iv. श्रीवास्तव डी. एन. (2006) "अनुसंधान विधियाँ", आगरा, साहित्य प्रकाशन।
v. विजय बी. कोरिष्ठि (2003) "भारतीय ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का अध्ययन", कर्नाटक, बेलगम।
vi. वर्मा प्रीति सिंह (2005) "मनोविज्ञान एवं शिक्षा में सांख्यिकी", आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।